खास-खबरें

मंदिर और नर्मदा घाट मार्ग पर कथित अवैध शराब बिक्री के विरोध में ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

नईदुनिया, प्रतिनिधि, भैरुंदाः ग्राम मंडी में मां नर्मदा स्नान घाट और मंदिर जाने वाले मार्ग पर कथित रूप से हो रही अवैध शराब बिक्री को लेकर ग्रामीणों ने बुधवार को एसडीएम सुधीर कुशवाह को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि धार्मिक स्थल और स्कूल के समीप लंबे समय से शराब की बिक्री हो रही है, जिससे सामाजिक और धार्मिक वातावरण प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार यह समस्या पिछले कई वर्षों से बनी हुई है। जिस मार्ग से श्रद्धालु नर्मदा स्नान और मंदिर दर्शन के लिए पहुंचते हैं, वहीं शराब बिक्री होने से महिलाओं, बुजुर्गों और नर्मदा परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र की धार्मिक गरिमा भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मंदिर, स्कूल और सार्वजनिक मार्ग के आसपास हो रही कथित अवैध शराब बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए। एसडीएम को सौंपे गए ज्ञापन में ग्रामीणों ने शीघ्र कार्रवाई कर गांव को इस समस्या से मुक्त कराने की मांग की है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि प्रशासन मामले की जांच कर आवश्यक कदम उठाएगा।

श्रीलक्ष्मीनारायण मंदिर मे निर्जला एकादशी दीपदान महोत्सव आज

नईदुनिया, प्रतिनिधि, विदिशाः धर्मगुरू-धर्माधिकारी प. गिरधर गोविन्द प्रसाद चतुर्वेदी शास्त्री के आचार्यत्व में श्री विष्णुलोक बैकुण्ठधाम श्रीलक्ष्मीनारायण मंदिर में ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष निर्जला एकादशी 25 जून गुरूवार को गोधूलि बेला में मनोकामना दीपदान के साथ श्री विष्णु सहस्त्रनाम स्त्रोत द्वारा तुलसी पत्रों से भगवान श्री लक्ष्मीनारायण जी की पूजन आरती श्रद्धा भक्ति पूर्वक सम्पन्न होगी। अक्षय अनन्त पुण्यफल प्राप्ति हेतु श्रद्धालु भक्तों द्वारा मनोकामना दीपदान के साथ, हरीघास एवं गुड खिलाकर गौसेवा करके पितरों का आशीर्वाद प्राप्त किया जाएगा। धर्माधिकारी जी ने बताया कि निर्जला एकादशी के व्रत से सम्पूर्ण वर्ष की एकादशी का पुण्य फल प्राप्त होता है, एकादशी व्रत आराधना, श्रीलक्ष्मीनारायण भगवान के दर्शन दीपदान एवं गौसेवा से श्रद्धालु भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है।

सिंहस्थ 2028ः उज्जैन में 'स्मार्ट' घाटों का जाल अब शिप्रा के तट पर नहीं भटकेंगे श्रद्धालु

नईदुनिया, प्रतिनिधि, उज्जैनः सिंहस्थ महापर्व की तैयारियों को 'हाई-टेक' मोड़ देने के लिए प्रशासन ने अब 'पैदल सफर' को खत्म करने की योजना बना ली है। त्रिवेणी से शक्करवासा तक बिछने वाली सड़कों का नया नेटवर्क श्रद्धालुओं के लिए एक वरदान साबित होगा। मेला अधिकारी और कलेक्टर ने बुधवार को फील्ड पर उतरकर इन रास्तों का नया गणित तय किया।

सिंहस्थ 2028 के लिए उज्जैन प्रशासन ने अब 'अप्रोच' का नया तरीका अपनाया है। बुधवार को मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने जब त्रिवेणी और शक्करवासा क्षेत्र का औचक दौरा किया, तो उनका पूरा ध्यान इस बात पर था कि आखिर कैसे श्रद्धालुओं को घाटों तक पहुँचने के लिए 'लंबी पैदल यात्रा' से बचाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप, अब घाट सिर्फ कंक्रीट के नहीं होंगे, बल्कि उनके पीछे एक मजबूत 'रोड कनेक्टिविटी' का आधार होगा। अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि सिंहस्थ के दौरान शक्करवासा और हामूखेड़ी के बीच एक नया लिंक रोड तैयार किया जाएगा। यह मार्ग न केवल भीड़ को बाँटने का काम करेगा, बल्कि मुख्य सड़कों पर उमड़ने वाले ट्रैफिक के बोझ को भी हल्का कर देगा।

अमानक उर्वरक मिलने पर कृषि केंद्र की अनुज्ञप्ति निलंबित

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायसेनः कृषि विभाग के निरीक्षण में दिवटिया स्थित नागर कृषि सेवा केंद्र पर अमानक उर्वरक पाए जाने के बाद उसकी अनुज्ञप्ति तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी गई है। निरीक्षण के दौरान जय जवान एनपीके 12:32:06 उर्वरक की 164 बोरियां अनाधिकृत रूप से पाई गई थीं। नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए, जहां रिपोर्ट में उर्वरक अमानक पाया गया। इसके बाद उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कार्रवाई करते हुए थाना नूरगंज में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। कृषि विभाग जिले में उर्वरक, बीज और कीटनाशकों की गुणवत्ता जांच के लिए विशेष अभियान चला रहा है।

आंगन में खेल रहे ढाई साल के मासूम को ट्रैक्टर ने कुचला, मौत, परिजनों ने किया चक्काजाम

चालक पर जानबूझकर वाहन चढ़ाने का आरोप, आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायसेनः रायसेन जिले के सुल्तानपुर थाना क्षेत्र स्थित बोरखेड़ी गांव में एक दर्दनाक हादसे में ढाई साल के मासूम की ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया। परिजनों ने चालक पर जानबूझकर ट्रैक्टर चढ़ाने का गंभीर आरोप लगाते हुए आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। बुधवार को आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने सड़क पर चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार, बोरखेड़ी निवासी प्रमोद का ढाई वर्षीय पुत्र राजवीर मंगलवार को अपने घर के आंगन में खेल रहा था। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि मासूम गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर मौके पर छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद परिजनों ने इसे महज हादसा मानने से इनकार कर दिया। उनका आरोप है कि ट्रैक्टर चालक और उनका परिवार गांव का ही रहने वाला है तथा बच्चे को जानबूझकर वाहन से कुचला गया है।

परिजनों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज किया जाना चाहिए। मासूम की मौत से गुस्साए परिजन और ग्रामीण सुल्तानपुर थाने पहुंचे, जहां उन्होंने पुलिस को आवेदन सौंपकर आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

गिरफ्तारी नहीं होने पर चक्काजामः आरोपी की गिरफ्तारी में देरी से नाराज ग्रामीणों ने बुधवार को सड़क पर उतरकर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द कार्रवाई की मांग की। कुछ समय तक यातायात भी प्रभावित रहा।

ट्रैक्टर जब्त, आरोपी की तलाश जारी

घटना की सूचना मिलते ही सुल्तानपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना में शामिल ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया है तथा मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। फरार चालक की तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं, पुलिस का कहना है कि परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की भी जांच की जाएगी और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मासूम राजवीर की असमय मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है। घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि ग्रामीण आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

उज्जैन में 50 साल पुराना दो मंजिला मकान भरभराकर ढहा, 12 साल के बच्चे की मौत

नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः उज्जैन में जीवाजीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत हम्मालवाड़ी में बुधवार सुबह 50 साल पुराना दो मंजिला मकान भरभराकर ढह गया। इस हादसे में मलबे में दबने से 12 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसकी नानी गंभीर रूप से घायल है। वहीं, मलबे में दबे आठ लोगों को सुरक्षित बचाया गया है।

पुलिस के अनुसार, हम्मालवाड़ी इलाके में 50 साल पुराने दो मंजिला मकान के पास एक नए भवन का निर्माण कार्य चल रहा था। इसके लिए मकान के पास गहरे गड्ढे खोदे गए थे। बुधवार सुबह पुराना मकान अचानक ढह गया। हादसे के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और स्थानीय लोगों की मदद से मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि खुदाई के कारण पुराने मकान की नींव कमजोर हो गई, जिससे उसका पिछला हिस्सा अचानक ढह गया। मलबे में दबने से 12 वर्षीय बच्चे असरान कुरैशी की मौत हो गई, जबकि उसकी नानी खुर्शीद बी गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जीवाजीगंज थाना प्रभारी प्रतीक शर्मा ने बताया कि हम्मालबाड़ी में पुराना मकान ढह गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू किया। पुलिस और रहवासियों ने मिलकर मलबे में दबे आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। रिश्तेदार ने बताया कि दो मंजिला मकान में नीचे खुर्शीद और ऊपर परवीन रहती हैं। मकान लगभग 50 साल पुराना और कच्चा बना हुआ था। मकान की हालत भी ठीक नहीं थी। मलबे में दबने से एक बच्चे की मौत हो गई। वहीं खुर्शीद और एक छोटी बच्ची घायल है।

आध्यात्मिक ज्ञान दिवस के रूप में मनाई मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती की पुण्यतिथि

नईदुनिया प्रतिनिधि, गंजबासौदाः प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के वरेठ रोड स्थित सेवा केंद्र पर बुधवार को मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती जी का 61वां पुण्य स्मृति दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ 'आध्यात्मिक ज्ञान दिवस' के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाई-बहनों ने भाग लेकर मातेश्वरी जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने मातेश्वरी जी के जीवन एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन समस्त नारी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने बताया कि मातेश्वरी जी का जन्म वर्ष 1919 में अमृतसर में हुआ था और उनका बचपन का नाम ओम राधे था। उन्होंने आध्यात्मिक जागरण और मानव सेवा को अपना जीवन समर्पित कर दिया तथा समाज में महिलाओं की भूमिका को नई दिशा प्रदान की। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी ने कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान के गूढ़ रहस्यों को समझने के लिए पवित्र और दिव्य बुद्धि आवश्यक है। मातेश्वरी जी ने ईश्वरीय ज्ञान को स्वयं जीवन में धारण कर लाखों लोगों को आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग दिखाया। उनका जीवन त्याग, सेवा, समर्पण और आध्यात्मिक शक्तियों का अद्भुत उदाहरण था।

मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती के मार्गदर्शन में अनेक महान आत्माओं ने मानवता की सेवा का कार्य किया और ईश्वरीय ज्ञान का संदेश विश्व के अनेक देशों तक पहुंचाया। उनका योगदान भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों के संरक्षण में महत्वपूर्ण रहा है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी भाई-बहनों ने मातेश्वरी के आदर्शों को जीवन में अपनाने तथा समाज सेवा एवं आध्यात्मिक उत्थान के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय एकता शिविर के लिए दो विद्यार्थियों का चयन

गंजबासौदा। नगर के लिए गौरव की बात है कि राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के दो स्वयंसेवकों का चयन राष्ट्रीय एकता शिविर के लिए हुआ है। चयनित विद्यार्थियों में प्रशांत साहू (कक्षा 12वीं कला) एवं भारती यादव (कक्षा 12वीं गणित) शामिल हैं। यह राष्ट्रीय एकता शिविर 24 जून से 30 जून तक हरियाणा के महेंद्रगढ़ में आयोजित किया जाएगा। शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से चयनित युवा प्रतिभागी शामिल होकर सांस्कृतिक आदान-प्रदान, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव एवं नेतृत्व विकास से जुड़ी गतिविधियों में सहभागिता करेंगे। विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप चौरसिया, एनएसएस बालक इकाई के कार्यक्रम अधिकारी दिनेश कुमार ओझा तथा बालिका इकाई की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती भारतीय पंथी ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नगर परिषद में 52 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित, परिषद ने दिखाई एकजुटता

नईदुनिया प्रतिनिधि, भैरूंदाः नगर परिषद भैरूंदा की साधारण सम्मेलन बैठक बुधवार को नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में नगर विकास, निर्माण कार्यों एवं जनकल्याण से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

सम्मेलन में एजेंडा बिंदु क्रमांक 1 से 52 तक प्रस्तुत सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया। उल्लेखनीय है कि किसी भी प्रस्ताव पर विरोध दर्ज नहीं हुआ और सभी पार्षदों ने नगर हित एवं विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए एकमत सहमति प्रदान की।

बैठक में नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर ने कहा कि परिषद का उद्देश्य नगर के विकास कार्यों को गति देना तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। परिषद द्वारा लिए गए निर्णयों से नगर के विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी।

बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी आर.पी. भावरे, सभी वार्ड पार्षद, नगर परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान नगर के विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर भी चर्चा की गई।

परिषद के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि सर्वसम्मति से पारित किए गए प्रस्तावों के क्रियान्वयन से नगर में विकास कार्यों को गति मिलेगी और आम नागरिकों को इसका लाभ प्राप्त होगा।

भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा स्व-सहायता समूह की महिलाओं को दिया एक दिवसीय प्रशिक्षण

नईदुनिया प्रतिनिधि, पीथमपुरः नगर पालिका परिषद् पीथमपुर अध्यक्ष श्रीमती सेवंती सुरेश पटेल एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री आरती गरवाल के निर्देशन में भारतीय मानक ब्यूरो के भोपाल शाखा से श्रीमती तृप्ति केलवा द्वारा दिनांक 24 जून 2026 को नगरपालिका परिसर, पीथमपुर एवं बगदून में 'स्व सहायता समूह' के 90 सदस्यों के लिए तीन सत्रों में विशेष संवेदीकरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समूह के सदस्यों के बीच भारतीय मानकों को अपनाकर उत्पादों की गुणवत्ता, सुरक्षा और विश्वसनीयता के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम के दौरान भारतीय मानकों तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने की प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सदस्यों को बताया गया कि मानकों का पालन करने से उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार होता है, उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ता है तथा बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता मजबूत होती है।

सत्र के दौरान प्रतिभागियों को बीआईएस की विभिन्न प्रमाणन योजनाओं, परीक्षण सुविधाओं, बीआईएस केयर ऐप तथा उपभोक्ता शिकायत निवारण तंत्र के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। साथ ही, उन्हें अपने उत्पादों में गुणवत्ता सुधार एवं मानकों के अनुपालन के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षकों द्वारा समूह के सदस्यों की शंकाओं एवं प्रश्नों का समाधान किया गया। स्व सहायता समूह के सदस्यों ने भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा प्रदान की गई इस उपयोगी जानकारी एवं सहयोग की सराहना करते हुए कार्यक्रम को अत्यंत लाभकारी एवं प्रेरणादायक बताया तथा इस पहल के लिए बीआईएस का आभार व्यक्त किया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला शहरी विकास अभिकरण से डॉ. कृष्णकांत खोड़े, कार्यालय अधीक्षक श्री विहाय अहीर, सिटी मिशन मैनेजर श्री लोकेश गुप्ता, प्रीतम भारसकले, रविंद्रनाथ सिंह, सरदार सोलंकी, हेमलता चंद्रावत, नसीम बी एवं स्वयं सहायता समूह के सदस्य उपस्थित रहे।

नगर की बेटी कनक रैकवार को मिला बुंदेली क्रिएटर्स अवार्ड

गंजबासौदा। नगर की प्रतिभाशाली बेटी कनक रैकवार को सोशल मीडिया क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सागर में आयोजित एक भव्य समारोह में बुंदेली क्रिएटर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया है। इस उपलब्धि से परिवार और नगरवासियों में खुशी का माहौल है। कनक रैकवार वर्तमान में विदिशा से बीकॉम की पढ़ाई कर रही हैं। पढ़ाई के साथ-साथ वे एक सक्रिय कंटेंट क्रिएटर भी हैं और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रील एवं रचनात्मक सामग्री तैयार करती हैं। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि फेसबुक पर उनके करीब 19 हजार और इंस्टाग्राम पर 63 हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं। हाल ही में सागर में आयोजित बुंदेली क्रिएटर्स अवार्ड समारोह में उन्हें उनके रचनात्मक योगदान और सोशल मीडिया पर प्रभावशाली उपस्थिति के लिए सम्मानित किया गया। अवार्ड प्राप्त करने के बाद उन्होंने इसे अपने परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों के सहयोग का परिणाम बताया।

गायत्री जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः हर साल की तरह इस साल भी शहर के कोलीपुरा स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर में सनातन सेना और संस्कार मंच के तत्वाधान में गायत्री जयंती श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाई गई।

इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना, यज्ञ, हवन एवं प्रवचनों का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया। इस मौके पर मंदिर के संत माधवदास महाराज ने यहां पर आए रामलीला मंडल का स्वागत किया। इस मौके पर संस्कार मंच के संयोजक जितेन्द्र तिवारी, सनातन सेना के प्रदेश सचिव पवन केवट, लालू, आयुष गुप्ता आदि शामिल थे। प्रयाग राज से आए रामलीला मंडल की ओर से बृजेश शर्मा ने बताया कि आगामी दिनों में मंदिर परिसर में सभी के सहयोग से भव्य रामलीला का आयोजन लगातार 12 दिनों तक जारी रहेगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं गायत्री महामंत्र के सामूहिक जप के साथ हुआ। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुतियां देकर विश्व शांति, मानव कल्याण एवं राष्ट्र की समृद्धि की कामना की। पूरे परिसर में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।

16 जुलाई को निकलेगी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा जी की भव्य रथ यात्रा का आयोजन 16 जुलाई गुरुवार को किया जाएगा। यह ऐतिहासिक एवं धार्मिक रथ यात्रा शहर के प्राचीन जगदीश मंदिर, छावनी से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई संजय टाकीज के पास स्थित स्वर्णकार समाज मंदिर पहुंचेगी। लगातार 66 सालों से परमार क्षत्रिय समाज ट्रस्ट के तत्वाधान में निकाली जाने वाली भव्य यात्रा को लेकर समाजजन ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में आमंत्रण पत्र का वितरण कर रहे है। अब तक 100 से अधिक क्षेत्रों में परमार समाज के पदाधिकारियों ने चल समारोह अध्यक्ष भवंर लाल परमार (कुलांस कलां) के साथ कंधे से कंधा मिलकर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। आगामी दिनों में होने वाली पुरी की तर्ज पर रथ यात्रा से पूर्व मंदिर में 14-15 जुलाई को विशेष अभिषेक के साथ अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में समाज के प्रांतीय अध्यक्ष सुरज सिंह जी एवं चंदर सिंह मंडलोई आदि सहित युवा और बुजुर्गों का आशीर्वाद मिल रहा है।

समाज के वरिष्ठ तुलसीराम पटेल और पूर्व चल समारोह अध्यक्ष सुरेश गब्बर परमार ने बताया कि परमार समाज और क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं के द्वारा निरंतर पूरी की तर्ज पर यात्रा निकाली जाती है। आयोजन समिति ने शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है। इस वर्ष चल समारोह अध्यक्ष भवंर लाल परमार का स्वागत सम्मान किया गया। इस मौके पर समाज के वरिष्ठ तुलसीराम पटेल, कमल पटेल, मुकेश परमार, विष्णु परमार, शिव परमार, भगीरथ परमार, अनारसिंह परमार, देवनारायण परमार, दशरथ सिंह परमार, भगवान सिंह परमार, मनोहर परमार, लखन परमार, महेंद्र परमार, विक्रमप रमार ग्राम तकीपुर में रथ यात्रा का निमंत्रण दिया।

जेल में कैदी की मौतः परिजनों ने लगाया इलाज में लापरवाही का आरोप

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः जिला जेल में बुधवार सुबह एक कैदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान श्रीराम वर्मा के रूप में हुई है, जो एक मारपीट के मामले में जेल में बंद था। घटना के बाद परिजनों ने जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि कैदी का समय पर और उचित इलाज नहीं कराया गया, जिसके कारण उसकी मौत हुई। मामले के बाद जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

परिजनों ने लगाया इलाज में लापरवाही का आरोपः मृतक के परिजनों का आरोप है कि श्रीराम वर्मा की तबीयत खराब थी, लेकिन जेल प्रबंधन ने उसके इलाज को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई। उनका कहना है कि यदि समय पर उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाती तो उसकी जान बच सकती थी। परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

जेल प्रबंधन ने मीडिया से बनाई दूरीः घटना के बाद जेल प्रबंधन की ओर से कोई विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। जेल अधिकारियों ने फिलहाल मीडिया से दूरी बनाए रखी है, जिससे मामले को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं।

मारपीट के मामले में जेल में था बंदः जानकारी के अनुसार श्रीराम वर्मा को 26 अप्रैल की शाम हुई एक मारपीट की घटना के बाद गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में पुलिस ने उसे अन्य आरोपियों के साथ आरोपी बनाया था और न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया था।

पुराने जमीनी विवाद से शुरू हुआ था विवादः फरियादी नेपाल वर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उनके भाई अनूप सिंह वर्मा खेत से भागते हुए घर पहुंचे थे। अनूप ने बताया था कि खेत पर मोटर चालू करने के दौरान गांव के मनोज वर्मा और अनार सिंह वर्मा ने पुराने जमीन विवाद को लेकर उनसे गाली-गलौज की और मारपीट करने के लिए दौड़ पड़े।

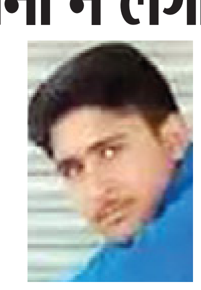

घर के बाहर बढ़ा विवादः शिकायत के अनुसार अनूप के पीछे-पीछे मनोज वर्मा और अनार सिंह वर्मा डंडे और चाकू लेकर नेपाल वर्मा के घर तक पहुंच गए। जब नेपाल वर्मा, उनके भाई अनूप, चंदर और पिता कैलाश वर्मा बाहर आए और समझाने का प्रयास किया, तब विवाद और बढ़ गया।

झगड़े में कई लोग हुए थे घायलः इसी दौरान श्रीराम वर्मा, सीता बाई और दुर्गाप्रसाद भी मौके पर पहुंच गए थे। आरोप है कि अनार सिंह वर्मा ने चाकू से कैलाश वर्मा पर हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद अन्य आरोपियों ने भी लाठी-डंडों से हमला किया, जिसमें परिवार के कई सदस्य घायल हुए थे।

बीच-बचाव कर बचाई गई थी जानः फरियादी नेपाल वर्मा के अनुसार गांव के हरगोविन्द ठाकुर और नीरज वर्मा ने बीच-बचाव कर घायलों को बचाया था। आरोपियों ने घटना के बाद पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी थी।

इन लोगों के खिलाफ दर्ज हुआ था मामलाः पुलिस ने शिकायत के आधार पर अनार सिंह वर्मा, श्रीराम वर्मा, मनोज वर्मा, सीता बाई और दुर्गाप्रसाद, सभी निवासी ग्राम कालापीपल, थाना इच्छावर, के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया था। इसके बाद आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई थी।

मौत के कारणों पर बनी हुई है स्थिति स्पष्ट होने की प्रतीक्षाः फिलहाल श्रीराम वर्मा की मौत किन परिस्थितियों में हुई और वास्तविक कारण क्या है, इसका आधिकारिक खुलासा नहीं हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। वहीं परिजन जेल प्रशासन की भूमिका की जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।